

3) 03
23

पत्रावली पेश हुई। कुलाय उप।
 पत्रावली व उपलब्ध रेकर्ड के अध्ययन व अभ्यपक्ष
 कुलाय की बहस के पश्चात जाहिर है कि प्रार्थी पक्ष
 के अधिवक्ता श्री दिनेश गहलोत द्वारा प्रार्थना पत्र धारा
 251 ए में उल्लेखित तथ्यों को केशरी हुये दलील दी
 जा रही है कि प्रार्थी द्वारा धारित की जा रही आदेदारी
 भूमि ग्राम कावल के खसरा नंबर 175/195, 175/198
 178/205, 178/206 की भूमि में आवागमन के लिये
 रेकर्ड रास्ता उपलब्ध नहीं होने से उक्त आवेदन पत्र
 प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र पर तहसीलदार
 बाली व उसके अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा रेकर्ड व
 मौका स्थिति की जांच के बाद रिपोर्ट न्यायालय में
 प्रस्तुत कर दी है। अतः प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार
 प्रार्थी को उसके आदेदारी भूमि तक पहुँच के लिये
 ग्राम बीडा प्रथम के खसरा नंबर 209 रकबा 1-30
 हेक्टर में से नवीन रेकर्ड रास्ता उपलब्ध कराये
 जाने की दलील दी। विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा
 दलील दी गई कि आपत्तिकर्ता भानुप्रताप सिंह का उक्त
 प्रकरण में कोई रीत/आस्तेत्व नहीं है। प्रार्थी
 भानुप्रताप सिंह द्वारा निरर्थक झूठे तथ्य प्रस्तुत किये हुये
 आपत्ति प्रार्थना पत्र पेश किया है। जबकि राजस्व
 रेकर्ड में प्रार्थी के आदेदारी भूमि तक पहुँच का कोई
 रेकर्ड रास्ता दर्ज नहीं है। आपत्तिकर्ता द्वारा उल्लेखित
 तथाकथित पूर्व में सहआदेदारों के मध्य हुये विभाजन
 में छोड़े गये रास्ते की जमीन पर अतिक्रमण होने से
 तथा आवेदक प्रार्थी की धारित आदेदारी भूमि तक
 पहुँच के लिये कोई गैरमुमकिन रास्ता रेकर्ड में
 दर्ज नहीं होने से प्रार्थी द्वारा विधिगत प्रावधानों के
 तहत धारा 251 ए के तहत उक्त आवेदन पेश
 किया है। जिसमें प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार रास्ता

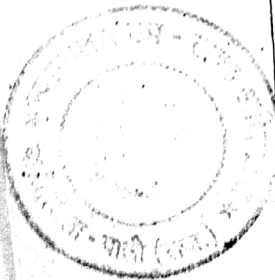
उपलब्ध अधिकारी
 जिला-बाली (राज.)

दर्ज किसे जने के आदेश परित किसे जावे आपत्तिकर्ता की आपत्तियों को खारिज किया जावे। प्राणी पक्ष की दलीलों का खण्डन करे। हुये आपत्तिकर्ता भानुप्रतापसिंह के अधीकृत श्री हनुमानसिंह चौहान द्वारा प्रस्तुत आपत्ति में उल्लेखित तथ्यों को देखते हुये दलील दी जा रही है कि आपत्तिकर्ता भी एक सहआहेदार है। प्राणी कुलदीपसिंह उसके यन्त्राजी लगे है। पूर्व आतेदारान दुर्गासिंह, गजेन्द्रसिंह एवं स्व. भगवानसिंह के वास्तिमान के मध्य संपूर्ण भूमि का आपसी बंटवाडा कर रखा है जिस बंटवाडे में प्रत्येक सहआहेदार के हिस्से बंट में रखी गई भूमि तक पहुँच के लिये रास्ते एवं पानी की नालियों इत्यादि के लिये पूरी व्यवस्था की गई है जिस आपसी बंटवाडे के पश्चात रिजर्ड में अमल कामद टैम्बर और अलग-अलग कर दिये है व शस्ता सभी पक्षकारान की भूमि में जुडाव रखे हुये छोडा हुआ है जिससे किसी पक्षकार को रास्ते की अस्तुविधा नही है। आपत्तिकर्ता के विद्वान अधीकृत श्री हनुमानसिंह चौहान द्वारा बहस के अंत में दलील दी गई कि शस्ता मौजद ही हुये प्राणी कुलदीपसिंह ने शस्ता स्रुठा आवेदन पेश किया है, जिसके साथ नक्शा भी गलत पेश किया है एवं श्र वाबत संबंधित कर्मचारियों से साठगाठ पर स्रुठी रिपोर्ट तैयार कर भिजवाई है। जिससे कुलदीपसिंह के अल्लेख शस्ता उपलब्ध होने से नये सिरे से शस्ता की मांग करने का कामनन अधीकृत नही होने से प्राणी पत्र श्री कुलदीपसिंह द्वारा 251 ए खारिज किसे जाने उपलब्ध दलील दी गई। पत्रावली व उपलब्ध रेकर्ड का



आधिकारी
बाली, जिला-बाली (राज.)

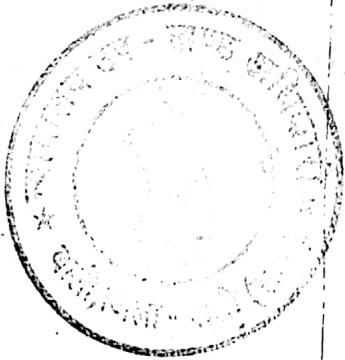
अध्ययन किया गया। उभयपक्ष कुलाय की बहस एवं राजस्थान कारतकारी अधिनियम की धारा 251 ए में विधि के प्रावधानों पर भी मनन किया गया। उपलब्ध रेकॉर्ड के अध्ययन व उभयपक्ष कुलाय की बहस के पश्चात् हस्तगत प्रकरण में यह स्वीकार्य तथ्य है कि प्राणी कुलदीपसिंह व उसके अन्य सहआवेदक द्वारा पूर्व में धारित की जा रही सहआवेदारी भूमियों का आपसी सहमति से बंटवडा हुआ है तथा जिस बंटवडे के पश्चात् ही प्राणी द्वारा धारित आवेदारी भूमि ग्राम कशवल के खसरा नंबर 175/195, 175/198, 178/205, 178/206 का खता अलग हुआ है तथा अन्य सहआवेदारी के भी खते अलग-अलग होकर भूमि अलग-अलग खतों में दर्ज हुई है। पूर्व बंटवडे में आपसी सहमति द्वारा प्रस्तुत नक्शे के अनुसार सभी आवेदारी की भूमियों तक पहुँच मार्ग मौजूद है। धारा 251 ए में विधि के प्रावधानों अनुसार पूर्व में रास्ता मौजूद होने पर नये सिरे से वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता परंतु प्राणी कुलदीपसिंह ने अपनी आवेदारी भूमि तक पूर्व बंटवडे में छोडा गया रास्ता उपलब्ध होने हुये ग्राम बीडा प्रथम के खसरा नंबर 209 राजकीय सिवाफ्युक्त भूमि में से अपेक्षित रूप से वैकल्पिक रास्ता - यथालय से स्वीकृत कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है जिसकी अनुमति विधि के प्रावधान नहीं देते हैं। लिहाजा प्रार्थना पत्र प्राणी कुलदीपसिंह धारा 251 ए खारिज किया जाता है। प्राणी कुलदीपसिंह पूर्व बंटवडे में रास्ते प्रयोजन रखी




अधिकारी
 राजीविका-यात्री (राज.)

शिक्षितो

भूमि का उपयोग अपनी खातेदारी भूमि तक पहुँच
मार्ग के रूप में लें। तहसीलदार वाली के निर्देश
दिये जाते हैं कि यदि पूर्व बंटवारे में रास्ते प्रयोजन
संयुक्त सह खातेदारी भूमि का म्यूटेशन दर्ज नहीं
किया है तो रास्ते देह छोड़ी गई भूमि को राजस्व
इन्डें में क्वॉर जैर मुम्किन रास्ता सभी सहखातेदारों
के निजी खातेदारी में राजस्व ग्रुप-6 के परिपत्र
दिनांक 30-9-2021 के अनुरूप पालना सुनिश्चित करें।
पत्रावली फैसल नुमार टैकर नंबर से कम है।




उपखण्ड अधिकारी
वाली, जिला-वाली (राज)